टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम. ए. हिंदी (भाग–१)

मई – २०११ परीक्षा

विषय :आधुनिक गद्य (H-101)

दिनांक : १८/५/२०११ **कुलअंक : १००** **समय : प्रात १०.०० से दो.१.००**

पाठ्यपुस्तके : १) उपन्यास – विपात्र – ग.मा. मुक्तिबोध
२) कहानी – आधुनिक कहानी – डॉ. दिनेश्वर प्रसाद
३) नाटक – ध्रुव स्वामिनी – जयशंकर प्रसाद
४) निबंध – प्रिया नीलकंठी – कुबेरनाथ राय
५) रेखाचित्र / संस्मरण – अतीत के चलचित्र – महादेवी वर्मा

सूचनाएँ : १. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
२. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न १. अ) 'विपात्र' उपन्यास की समस्याओं को स्पष्ट करके लेखक द्वारा अभिव्यक्त मनुष्य के अकेलेपन पन के बारें में विचार स्पष्ट कीजिए। **(२०)**

अथवा

ब) ''विपात्र' उपन्यास में जीवन की विसंगतियो का खुला चित्रण है'– स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न २. अ) आधुनिक कहानी की विशेषताओं को रेखांकित करते हुए 'पेपर वेट' कहानी की समीक्षा कीजिए। **(२०)**

अथवा

ब) ' ध्रुवस्वामिनी' नाटक की मूल समस्या को चित्रित करते हुए नाटक के नारी –चरित्रों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न ३. अ) 'प्रिया नीलकंठी'निबंध संग्रह के आधार पर कुबेरनाथ राय के निबंधों की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए **(२०)**

अथवा

ब) 'अतीत के चलचित्र'में चित्रित चरित्र करुणा एवं वेदना का समुच्चय हैं– स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न ४. निम्नलिखित संदर्भों में से किन्हीं दो संदर्भों की व्याख्या कीजिए। **(२०)**

१) वे प्रेम करते थे और प्रेमकी तानाशाही भी उनमें थी जो शासक वर्ग तानाशाही मनोवृत्ति से घुलमिल कर इतनी एक प्राण हो गई थी की यह कहना कठिन था कि वह शासक वर्ग की तानाशाही है, या प्रेम का अधिनायकत्व ।

२) अरे, मैं तो कहूँ कि घरवालों को कैसा बुलावा? ये लोग तो मुझे अपनी माँ से कम नहीं समझते।

३) यह नहीं हो सकता महादेवी! जिस मर्यादा के लिए, जिस महत्त्व को स्थिर रखने के लिए मैंने राजदंड ग्रहण न करके अपना मिला हुआ अधिकार छोड दिया, उसका यह अपमान !

४) क्या तुझे आज भी अभिजात्य का गर्व है? क्या तुझे आज भी समाजद्वारा मिले भलाई–बुराई के– प्रमाणपत्रों पर विश्वास है?

प्रश्न ५. किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए। **(२०)**

१) 'विपात्र' नाटक का जगत सिंह ।
२) नन्हो के चरित्र की विशेषताएँ।
३) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का उद्देश्य ।
४) ' प्रिया नीलकंठी' में लोकतत्व ।